जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

| कीमत अशटाम्प<br>नोट:—यह खाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं | नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा |
|---|---|
| | R. No. 111<br>बही - 1<br>4<br>660<br>R. F. 250.00<br>C. F = 3.00<br>Total - 53.00 |

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Sub Registrar Sadar Distt. Bilaspur (H.P.)

# ...hal Government Judicial Paper

...नामा ज़ुज १

... कन्हैया राम उमर 63 साल वल्द साधू वल्द मोचर ... सोसन परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला ...पुर हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़ ...र शख़्स है और कुच्छ अर्सा से मामूली बिमार ...ता रहता चला आता है इस लिये हर हाल ...गिरान की खिदमत व परवरिश का मोहताज है, ...र के 1 पिसर बाबूराम व 7 दुख़्तरान मु॰ कलावती, ...ली, मु॰ बिमला, मु॰ रोशनी, मु॰ रूपमा, मु॰ ... मु॰ शकुन्तला व ज़ौजा मु॰ शिबदेई मौजूद हैं, ... जुमला बच्चगान खुद की शादीयां कर चुका है, ...न मज़्कूरीयान मुज़हर जिन को के मुज़हर ...ने शादीयां माकूल दहेज दे चुका है ...सलूकी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं, ...बदेई ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लागर हो ... बिमार होती रहती चली आने से दीगरान ...खिदमत व परवरिश की मोहताज हो चुकी है. ...व मु॰ शिबदेई ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत ...राम पिसर मुज़हर ही हर तरह से हर तरह से ... व मु॰ शिबदेई ज़ौजा मुज़हर की देख भाल

...नामा ज़ुज २

...मत व परवरिश करता व इलाज मुआलजा करवाता ...ता है, मुज़हर व मु॰ शिबदेई ज़ौजा मुज़हर को ... भी बाबूराम मज़्कूर से ऐसी ही खिदमात ...हने की तवक़ा है, हयात चन्द रोज़ा का ...भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है ...राम मज़्कूर को कुच्छ सिल्ला खिदमात ... मु॰ शिबदेई मज़्कूरीया ज़ौजा खुद दे, ...कुच्छ जायेदाद मनक़ूला व ग़ैर मनक़ूला ...सोसन परगना बहादरपुर कुच्छ जदी व कुच्छ ...पैदा करदा खुद का मालक व काबज़ है सो मुज़हर जायेदाद मज़्कूरा खुद बाबूराम मज़्कूर को देने का खवाहां है, जो मुज़हर की जायेदाद मज़्कूरा मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है के बाद वफ़ात मुज़हर जायेदाद मुज़हर की निस्बत कोई शख़्स तनाज़ा किसी किस्म का ...

No. 694015 A

(नकल)

Himachal Government Judicial Paper

वसीयत नामा ज़ुज़ 1

मनके कन्हैया राम उमर 63 साल वल्द साधू वल्द मोचर सकना सोसन परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लाग़र शख़्स है और कुच्छ अर्सा से मामूली बिमार भी होता रहता चला आता है इस लिये हर हाल में दीगरान की ख़िदमत व परवरिश का मोहताज है, मुज़हर के 1 पिसर बाबूराम व 7 दुख़्तरान मु॰ कलावती, मु॰ तुलसी, मु॰ बिमला, मु॰ रोशनी, मु॰ भूपराम, मु॰ सत्या, मु॰ शकुन्तला व ज़ौजा मु॰ शिबदेई मौजूद हैं, मुज़हर जुमला बच्चग़ान ख़ुद की शादीयां कर चुका है, दुख़्तरान मज़्कूरीयान मुज़हर जिन को के मुज़हर बवक़्त करने शादीयां माक़ूल दहेज दे चुका है ख़ुशअसलूबी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं, मु॰ शिबदेई ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लाग़र हो अकसर बिमार होती रहती चली आने से दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की मोहताज हो चुकी है. मुज़हर व मु॰ शिबदेई ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में बाबूराम पिसर मुज़हर ही हर तरह से हर तरह से मुज़हर व मु॰ शिबदेई ज़ौजा मुज़हर की देख भाल

वसीयत नामा ज़ुज़ 2

व ख़िदमत व परवरिश करता व इलाज मुआलजा करवाता चला आता है, मुज़हर व मु॰ शिबदेई ज़ौजा मुज़हर को आयन्दा भी बाबूराम मज़्कूर से ऐसी ही ख़िदमात करते रहने की तवक़्क़ा है, हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है के बाबूराम मज़्कूर को कुच्छ सिल्ला ख़िदमात ख़ुद व मु॰ शिबदेई मज़्कूरीया ज़ौजा ख़ुद दे, मुज़हर कुच्छ जायेदाद मनक़ूला व ग़ैर मनक़ूला वाक्या सोसन परगना बहादरपुर कुच्छ जद्दी व कुच्छ बाहद पैदा करदा ख़ुद का मालक व क़ाबज़ है सो मुज़हर जायेदाद मज़्कूरा ख़ुद बाबूराम मज़्कूर को देने का ख़्वाहां है, गो मुज़हर की जायेदाद मज़्कूरा मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है के बाद वफ़ात मुज़हर जायेदाद मुज़हर की निस्बत कोई शख़्स तनाज़ा किसी किस्म करे इस लिये अब

अलबद
कन्हैया राम, मूसी मज़्कूर
कन्हैया राम

अलबद
कन्हैया राम, मूसी मज़्कूर
कन्हैया राम

№ 694016 A. **Himachal Government Judicial Paper**

मुज़हर बक़ायमी होश व हवास खमसा खुद बिला जबर व इकराह व तरग़ीब ग़ैरे

वसीयत नामा ज़ुज़ ३

किसी किस्म जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करता व लिख देता है के जब तक मुज़हर हयात है जुमला जायेदाद हर किस्म खुद का मालक व काबज़ है बाद वफ़ात मुज़हर जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हर वाक्या सोसन परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी वाक्या हो का बाबूराम वल्द कन्हैया राम वल्द साधू सकना सोसन परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश यानी पिसर मुज़हर मौसी वाहद मालक व काबज़ तसव्वर हो गा, किसी भी दीगर शख्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायेदाद मुज़हर मौसी से ना हो गा और हर दीगर वारस मुज़हर मौसी जायेदाद हर किस्म मुज़हर मौसी से मेहरूम तसव्वर हो गा, बाबूराम मौसीइल्हा मज़कूर ही वाहद कामल मालक व काबज़ जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हर मौसी का हो गा, किसी भी दीगर शख्स को मुज़हर मौसी के वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख करवाने का कोई हक हासल ना हो गा, मुज़हर मौसी ने पेशतर कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा तैहरीर ना कराई है

कन्हैया राम, मौसी मुज़हर
बक़लम ख़ुद
कन्हैयाराम

वसीयत नामा ज़ुज़ ४

इस लिये वसीयत नामा हज़ा से पेशतर की हर दस्तावेज़ वसीयत नामा मिन्जानिब मुज़हर मौसी जाली व फ़र्ज़ी होने से रद तसव्वर हो गी और वसीयत नामा हज़ा पर पुरा पुरा अमल हो गा, लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के सन्द रहे।

19-6-90

वसीका वसीयत नामा हुआ श्री कान्हैया राम

हुरूफ व हरूफ [illegible] सुनाया व समझाया गया। जिसने इस वसीका [illegible] व तस्मील को सुन व समझकर [illegible] किया [illegible] शनाखत श्री सोहन लाल अधिवक्ता बिलासपुर [illegible] है। जिनसे मैं स्वयं परिचित हूं। [illegible] हुआ तस्दीक किया जाता है [illegible]।

पेश कर्ता

कान्हैया राम

शनाख्त कर्ता

Sohan Lal
Advocate
Bilaspur

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
19/6/90

No. 0363768 1988 **Himachal Government Judicial Paper**

तैहरीर 19/6/90

गवाहशुद

गीताराम वल्द गुरदित्तू वल्द फरंगू सकना डखोह परगना कोट कहलूर उपतैहसील श्री नैनादेवी जी ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश

GitaRam

अलब्द

कन्हैया राम, मौसी मज़कूर

कन्हैया राम।

गवाहशुद

हरीसिंह वल्द नुरातूराम वल्द गोगी सकना नकराना परगना कोट कहलूर उपतैहसील श्री नैनादेवी जी ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश

हरीसिंह

हस्ब मुराद साइल लिखा गया सुन समझ कर दस्तखत तसलीम किया। लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर (683 19/6/90) मोहर

(नोट) वसीयत नामा हज़ा 660 अलफ़ाज़ पर मुशतमल है।

---

तस्दीक

नकल मुताबिक असल है कोई लफ़ज़ कटा फटा मशकूक या कम व बेश ना है।

नकल कुनिन्दा हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर शामल 683 19/6/90

Registered at No. 111 in Book 3
Volume No. 91 on page/pages 40 This 19
day of June 1990

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
19/6/90